भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 810

जिसका उत्तर 07 फरवरी, 2024 को दिया जाना है

कोयला उत्पादन

810. श्री डी.एम. कथीर आनन्दः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में कुल कोयला उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और एनएलसीआईएल ने डीजल चालित भारी अर्थ मूविंग मशीन उपकरणों के विशाल बेड़े को तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) से बदलने का फैसला किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में गेल के साथ कोई अनुबंध किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सीआईएल और एनएलसीआईएल ने भी अपनी सभी कोयला उत्पादक कंपनियों में खनन कार्यों में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए कई उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सीआईएल और एनएलसीआईएल ने अगले पांच वर्षों के दौरान अपने सभी खनन क्षेत्रों में 1500 ई-वाहन जोड़ने की योजना बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) : जी नहीं. पिछले तीन वर्षों के दौरान कोयला उत्पादन का ब्यौरा निम्नानुसार है -

[आंकड़े मिलियन टन में]

वर्ष	**कोयले का उत्पादन**
2020-21	716.08

2021-22	778.21
2022-23	893.19

(ख) तथा (ग) : कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कार्बन उत्सर्जन में कमी पर प्रभाव सहित तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन के लिए एक पायलट परियोजना के माध्यम से कंपनी के मौजूदा डीजल डम्परों में दोहरे ईंधन [डीजल-तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी)] संचालन की शुरूआत करने के लिए पहल की है। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, ओडिशा की लखनपुर ओपन कास्ट परियोजना (ओसीपी) में दो मौजूदा डीजल चालित बीईएमएल निर्मित 100टी डम्परों में एलएनजी किट की रेट्रोफिटिंग करके दोहरे ईंधन (डीजल और एलएनजी) संचालन संबंधी पायलट परियोजना के संचालन के लिए गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) और भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

एनएलसीआईएल में, लिग्नाइट के उत्खनन और ओवर बर्डन के लिए उपयोग की जाने वाली मुख्य खनन मशीनरी/उपकरण बिजली का उपयोग करके संचालित किए जाते हैं। केवल कुछ सहायक खनन हेवी अर्थ मूविंग मशीनें (एचईएमएम) जैसे डोजर्स, पाइप-लेयर्स, बैक-हो, रोड ग्रेडर्स आदि डीजल संचालित हैं। फिलहाल, एनएलसीआईएल में एलएनजी ईंधन के साथ प्रतिस्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ) : कोल इंडिया लिमिटेड ने खनन प्रचालनों में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए निम्नलिखित विभिन्न पहलें की हैं

i. फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं के अंतर्गत कोयले की ढुलाई यंत्रीकृत कन्वेयर बेल्ट और सीएचपी/साइलो के माध्यम से की जा रही है। एफएमसी परियोजनाएं पर्यावरण - अनुकूल कोयला परिवहन मोड के रूप में उभरती हैं, जिससे धूल उत्सर्जन, टिपर टेलपाइप उत्सर्जन, टिपर डीजल की खपत, पे लोडर उत्सर्जन, रेलवे साइडिंग उत्सर्जन, परिवेशी ध्वनि स्तरों और टिपर कार्बन फुटप्रिंट में कमी आती है।
ii. ओपनकास्ट खानों के लिए सतही खनिकों और भूमिगत खानों के लिए कंटिन्यूयस माइनर्स की तैनाती।
iii. प्रत्येक वर्ष व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया।
iv. एलईडी लाइटें लगाना, ऊर्जा कुशल एसी, ऊर्जा कुशल पंप और पंखे, ग्रीन बिल्डिंग, कैपेसिटर बैंक आदि जैसे विभिन्न ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता उपाय भी किए गए हैं।
v. अपनी सभी सहायक कंपनियों में ई-वाहनों की तैनाती।

खनन प्रचालनों में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए एनएलसीआईएल द्वारा किए गए उपाय निम्नानुसार हैं

i. पुराने हो चुके उपकरण को नए उपकरण से समय पर बदलना।
ii. उपकरण के लिए कड़े रखरखाव कार्यक्रम का पालन किया जाता है जिससे बदले में कार्बन उत्सर्जन कम होता है।
iii. लिग्नाइट उत्खनन के लिए उपयोग की जाने वाली मुख्य मशीनरी/उपकरण बिजली का उपयोग करके संचालित किया जाता है।
iv. खनन प्रचालनों की योजना इस प्रकार बनाई जाती है जिससे सहायक डीजल संचालित खनन उपकरण के उपयोग को न्यूनतम किया जा सके।
v. कार्बन उत्सर्जन को निष्प्रभावी करने के लिए पुनरूद्धारित खनित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनीकरण।
vi. कार्बन उत्सर्जन को दूर करने के लिए वनीकरण/ग्रीन कॉरिडोर का रखरखाव और इसका विस्तार किया जाता है।

(ङ.) : कोल इंडिया लिमिटेड विभिन्न खानों, क्षेत्रों और सहायक कंपनियों के मुख्यालयों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहन) की खरीद/किराए पर लेने पर जोर दे रही है। कोल इंडिया लिमिटेड में ई-वाहनों की वर्तमान संख्या 178 है और मौजूदा परिवहन संविदाओं की अवधि तथा सहायक कंपनियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य निम्नानुसार है

2023-24	2024-25	2025-26	कुल
380	143	158	681

एनएलसीआईएल ने अपने खनन क्षेत्रों में ई-वाहनों को शामिल करने की योजना नहीं बनाई है।

*****